

फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक जज (फास्ट-ट्रेक) चौधू जयपुर

संगला बनाम रुधनाच

मुकदमा संख्या / वर्ष

32/111 / 20 07

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	05-09-21	<p style="text-align: center;"><u>चौधू</u> आज्ञा विस्तृत रूप से</p> <p>वादी मय अधिवक्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना वाद विद्वान् करवाने वाले विद्वान् मार्चना पत्र पेश करने पर पत्रावली आज तब तक की गयी। वादी ने अपना विद्वान् मार्चना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि हम दोनों पक्षकारों के आपस में मिल बैठ कर राजनीति का कर लिया है। अब हम आपस अपना वाद जैसे चलाना चाहते हैं। वादी द्वारा मस्तु विद्वान् मार्चना पत्र एवं वाद का अवलोकन किया गया। वादी व वक्ती अधिवक्ता को सुना गया। सुनवाई पर मनन किया गया। वादी का वाद-पत्र विद्वान् मार्चना पत्र स्वीकार किया जाता है। वादी की पहचान वादी अधिवक्ता मुख्यालय आरक्षण में की। वादी का वाद-पत्र इसी स्टेज पर विद्वान् पेश किया जाता है। पत्रावली फैसल हो जाने पर इस काम हो कर दाखिल हुकूमत हो।</p>	<p style="text-align: right;">श्रीमान जज</p> <p style="text-align: right;">(फास्ट-ट्रेक)</p> <p style="text-align: right;">चौधू जयपुर</p> <p style="text-align: right;">01/09/21</p> <p style="text-align: right;">(द. सु. न. क. ल. क. म. ल. क.)</p>